215hi05

पाठ्यक्रम III

अधिकतम अंक	अध्ययन के घंटे
25	45

सेवा क्षेत्र (सर्विस सैक्टर)

आज व्यावसाय संकीर्ण तथा संवेदनशील बन गया है। इसकी सफलता विभिन्न प्रकार के सेवा-कार्यकलापों की उपलब्धता पर निर्भर करती है, जैसे : परिवहन, भंडारण, संचार के साधन, डाक, बैकिंग, बीमा, व्यवसाय प्रशिक्षण बाह्यस्रोतीकरण आदि। यह व्यवसाय को प्रभावी रूप से तथा व्यावसायिक क्रियाओं के विस्तृत नैटवर्क को संपूर्ण विश्व में विकसित करने में सहायक है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य इन सेवा क्रियाकलापों में अन्तर्दृष्टि का विकास करना है।

पाठ 5 : यातायात सेवाएं

पाठ 6 : भंडारण

पाठ 7 : सम्प्रेषण (संदेशवाहन) सेवाएं

पाठ 8 : डाक तथा कोरियर सेवाएं

पाठ 9 : बैंकिंग सेवाएं

पाठ 10 : बीमा सेवाएं

पाठ 11 : बाह्यस्रोतीकरण

5

परिवहन सेवायें

हम अपने दैनिक जीवन में अनेक वस्तुओं का प्रयोग करते हैं। लेकिन हमें मालूम नहीं होता कि ये वस्तुएँ कहाँ बनती हैं और हमारे घर के आस-पास कैसे पहुँच जाती हैं। इन्हें रेल, सड़क मार्ग और विमानों से लाया जाता है और हमारे घर के आस-पास उपलब्ध कराया जाता है। आपने ट्रक, टेम्पो और बैलगाड़ियों को तो देखा ही होगा। इनसे उत्पादों और कच्चे माल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है। इसी तरह आपने देखा होगा कि लोग बस, रेलगाड़ी, कार, स्कूटर-रिक्शा या साइकिल से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आते जाते हैं।

व्यापार में उत्पादों को लाने-ले जाने और लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने का बड़ा महत्व होता है। कच्चा माल एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है। तैयार सामान बिक्री या उपयोग के स्थान पर पहुँचाया जाता है और लोग व्यापार के लिए एक जगह से दूसरी जगह आते-जाते हैं।

इस पाठ में हम पढ़ेंगे कि कैसे सामान और लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर आते जाते हैं।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप

- परिवहन का अर्थ स्पष्ट कर सकेंगे;
- परिवहन का महत्व समझ सकेंगे;
- परिवहन के विभिन्न साधनों की पहचान कर सकेंगे; और
- परिवहन के विभिन्न साधनों के लाभों तथा सीमाओं का विवेचन कर सकेंगे।

5.1 परिवहन का अर्थ

परिवहन का अर्थ उन गतिविधियों से है, जिनके अंतर्गत सामान और व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने में सहायता मिलती है। व्यवसाय में इसको एक सहायक क्रिया के रूप में माना जाता है, जो कच्चे माल को उत्पादन के स्थान तक और तैयार समान को उपभोग/बिक्री के लिए लोगों तक पहुँचाने में व्यापार और उद्योग की सहायता करती है।

जो व्यक्ति अथवा व्यावसायिक इकाईयाँ इस गतिविधि में लगी हैं, उन्हें ट्रांसपोर्टर कहा जाता है। ट्रांसपोर्टर कच्चे माल, तैयार सामान, व्यक्तियों आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं।

5.2 परिवहन का महत्व

ऊपर हम विचार विमर्श कर चुके हैं कि परिवहन, दूरी की बाधा को समाप्त कर देता है, क्योंकि आजकल एक स्थान पर बनाई गई (तैयार की गई) वस्तु अलग-अलग स्थानों पर उपलब्ध हो जाती है। चाहे पूरे संसार में दूरी जितनी भी हो। बिना परिवहन के कोई भी व्यापार एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकता है।

परिवहन का महत्व इस प्रकार है :

i) **निर्माताओं और उत्पादकों को कच्चा माल उपलब्ध कराना :** परिवहन के माध्यम से ही कच्चे माल को उसके उपलब्ध होने के स्थानों से उन स्थानों तक ले जाना संभव हो पाता है, जहाँ उसे संसाधित तथा एकत्रित करके उससे अर्द्धनिर्मित अथवा पूर्णत: निर्मित वस्तुएँ तैयार की जाती हैं।

ii) **उपभोक्ताओं को वस्तुएं उपलब्ध कराना :** परिवहन की सहायता से वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक बड़ी आसानी और तेजी से पहुंचाया जा सकता है। इस प्रकार दूर-दराज के स्थानों पर तैयार सामान देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैले उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग किया जा सकता है।

iii) **लोगों का जीवन-स्तर बेहतर बनाना :** परिवहन-साधनों की सहायता से कम लागत में बड़े पैमाने पर सामान का उत्पादन होता है। इससे लोगों में अपनी पसंद का और अलग-अलग कीमत वाला बढ़िया किस्म का सामान खरीदने की इच्छा जागती है। इससे लोगों का जीवन-स्तर ऊँचा उठता है।

iv) **कम लागत में अधिक उत्पादन को सुविधाजनक बनाता है :** हम जानते हैं कि बड़े पैमाने पर उत्पादन सदा हमारी पसंद के स्थान पर होना सम्भव नहीं है, क्योंकि इसके लिए बड़े बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है, विशेषत: जमीन की, जो आसानी से हर जगह उपलब्ध नहीं होती है। परन्तु परिवहन, सुगमता से मानव शक्ति एवं आवश्यक कच्चा माल विनिर्माण के लिए अंतिम रूप से चयनित स्थान पर उपलब्ध करा देता है। बड़े पैमाने पर उत्पादन से प्रति इकाई लागत कम आती है।

v) **आपातकाल और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सहायता पहुँचाना :** युद्ध या आंतरिक गड़बड़ी (अशांति) जैसी राष्ट्रीय संकट की स्थिति में परिवहन सशस्त्र सेनाओं और उनके लिए जरूरी सामान को शीघ्रता से संकट के स्थान पर पहुंचाने में मदद करता है।

vi) **रोजगार सृजन में सहायता करना :** परिवहन से लोगों को ड्राइवर, कंडक्टर, पायलट, विमान कर्मचारी, समुद्री जहाज के कैप्टन आदि के पदों पर रोजगार मिलता है। इन लोगों को परिवहन व्यवसाय में प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है। इसके अलावा कुछ लोगों को परिवहन से अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार मिलता है जैसे परिवहन के विभिन्न साधनों और परिवहन के उपकरणों का निर्माण करने वाले कारखानों में लोगों को काम

मिलता है। लोग परिवहन के साधनों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए सुविधाजनक स्थानों पर सर्विस सेंटर भी खोल सकते हैं।

vii) **मजदूरों की गतिशीलता में सहायता :** परिवहन सुविधाएँ मजदूरों को कार्य के स्थानों तक पहुँचाने में बहुत मदद करती हैं। आपको मालूम होगा कि दूसरे देशों के उद्योगों और कारखानों में काम करने के लिए हमारे देश से लोग दूसरे देश जाते हैं और विदेशी भी हमारे देश में कार्य करने के लिए आते हैं। देश में भी लोग रोजगार की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। साथ ही यह हमेशा संभव नहीं होता कि कारखाने के आस-पास से ही मजदूर मिल जाएँ। अधिकांश उद्योगों में लोगों को उनके निवास स्थान से कार्य स्थल तक लाने ले जाने के लिए परिवहन की अपनी व्यवस्था है।

viii) **राष्ट्रों को निकट लाने में सहायता :** परिवहन से लोगों तथा माल के एक देश से दूसरे देश में आवागमन में सहायता मिलती है। इससे विभिन्न देशों के लोगों में संस्कृति, विचारों और रीति रिवाजों का आदान-प्रदान होता है। इससे लोगों में अन्य देशों के बारे में बेहतर समझ तथा ज्ञान उत्पन्न होता है। इस प्रकार परिवहन अंतर्राष्ट्रीय भाईचारा बढ़ाने में सहायता करता है।

पाठगत प्रश्न 5.1

निम्नलिखित में से सही और गलत कथन छाँटिए :

i. व्यवसाय में परिवहन को व्यापार सहायक गतिविधि माना जाता है।
ii. परिवहन से लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाने में कोई मदद नहीं मिलती।
iii. परिवहन से विभिन्न राष्ट्रों के बीच संस्कृति का आदान-प्रदान संभव हो पाता है।
iv. परिवहन से रोज़गार के अवसरों का सृजन नहीं होता।
v. परिवहन से मज़दूरों का एक स्थान से दूसरे स्थानों पर आना-जाना आसान होता है।

5.3 परिवहन के साधन

हमने देखा कि परिवहन मुख्य रूप से भूमि, वायु या जलमार्ग से हो सकता है। इन्हें परिवहन के विभिन्न साधन कहा जाता है। भू-तल पर ट्रक, ट्रैक्टर आदि सामान को तथा रेलगाड़ियाँ, बसें तथा कारें यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाती हैं। वायु मार्ग से विमान और हेलीकॉप्टर यात्रियों और सामान को लाते-ले जाते हैं। इसी प्रकार जलमार्ग से समुद्री जहाज और स्टीमर सामान और यात्रियों को लाते-ले जाते हैं। इन्हें परिवहन के विभिन्न साधन कहा जाता है। परिवहन के साधनों को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बाँटा जा सकता है : भू-तल परिवहन, जल परिवहन तथा वायु परिवहन। आइए, अब हम परिवहन के विभिन्न साधनों की चर्चा करें।

5.4 भू-तल परिवहन

भू-तल परिवहन से अभिप्राय है, वस्तुओं और यात्रियों को भूमि मार्ग से एक स्थान से दूसरे

स्थान पर लाना ले जाना। इस प्रकार के परिवहन की गतिशीलता सड़क, रेलमार्ग, रस्सी या पाइप आदि के सहारे होती है। इस प्रकार हम भू-तल परिवहन को चार भागों में बाँट सकते हैं। सड़क परिवहन, रेल परिवहन, रस्सी मार्ग (रोप-वे) परिवहन और पाइप लाइन परिवहन। आइए, अब हम विस्तार से इनके बारे में जाने।

5.5 सड़क परिवहन

सड़कें भूमि पर एक स्थान को दूसरे स्थान से जोड़ती हैं। आपने अपने गाँव, कस्बे या शहर में सड़कें देखी होंगी। ये सभी सड़कें एक जैसी नहीं होती। इनमें से कुछ तो बजरी से बनी होती है और कुछ पत्थर सीमेंट या तारकोल की बनी होती है। आपने देखा होगा कि बैलगाड़ियाँ, साईकिलें, मोटर-साईकिलें, कारें, ट्रक, बसें आदि सड़कों पर चलती हैं। इन्हें सड़क परिवहन के विभिन्न साधन कहा जाता है। सड़क परिवहन के साधनों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है :

i. मुनष्य द्वारा खींचे जाने वाले साधन;
ii. पशुओं द्वारा खींचे जाने वाले साधन; और
iii. मोटर द्वारा खींचे या चलाए जाने वाले साधन।

सड़क परिवहन के साधनों का एक दृश्य

आपने देखा होगा कि कुछ लोग सिर पर, पीठ पर, साइकिल पर या ठेले पर सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं।

कुछ लोग थोड़ी दूरी पर जाने के लिए साइकिल या रिक्शे का प्रयोग करते हैं। हम यह भी देखते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग फसलों तथा अन्य सामानों को पशुओं द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं। ये गाड़ियाँ, बैलों, ऊँटों, घोड़ों या गधों द्वारा खींची जाती हैं। लोग स्वयं भी इन गाड़ियों पर यात्रा करते हैं। कई बार पशुओं की पीठ पर लाद कर भी सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है। जिन स्थानों पर साल भर बर्फ जमी रहती है, वहां लोग साधारणतया कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों से सामान ढोते हैं और खुद भी इन पर यात्रा करते हैं। इन गाड़ियों को स्लेज कहा जाता है।

पिछले कई वर्ष से आदमी द्वारा या पशुओं द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों की अपेक्षा मोटर से चलने वाली गाड़ियाँ ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई हैं। इसका कारण यह है कि ये गाड़ियाँ ज्यादा तेज गति से चलती हैं और इनकी सामान ढोने की क्षमता भी अधिक होती है। देश के कोने-कोने तक सड़कें बन जाने से भी मोटर वाहनों का उपयोग बढ़ा है। इन वाहनों में आटो रिक्शा, स्कूटर, वैन, बसें, टेम्पो और ट्रक शामिल हैं।

कोलकाता में लोग ट्राम से यात्रा करते हैं। वह भी सड़क परिवहन का ही एक साधन है।

5.6 सड़क परिवहन के लाभ

सड़क परिवहन के निम्नलिखित लाभ हैं :

i. परिवहन के अन्य साधनों की अपेक्षा सड़क परिवहन सस्ता पड़ता है।

ii. शीघ्र नाशवान वस्तुएं सड़क परिवहन के माध्यम से तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाई जा सकती है।

iii. यह परिवहन का लचीला साधन है क्योंकि इससे सामान को किसी भी स्थान पर चढ़ाया और उतारा जा सकता है। इससे घर घर तक सामान पहुँचाया जा सकता है।

iv. यह लोगों को यात्रा में तथा माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाने में सहायता करता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जो परिवहन के अन्य साधनों से नहीं जुड़े है, उदाहरणार्थ पर्वतीय क्षेत्र।

5.7 सड़क परिवहन की सीमाएँ

इसकी निम्नलिखित सीमाएँ हैं :

i. इसकी भार ढोने की क्षमता सीमित है, इसलिए लंबी दूरी के परिवहन के लिए यह किफ़ायती नहीं है।

ii. बहुत भारी सामान या बहुत ज्यादा सामान को इस व्यवस्था से ढोने में खर्च बहुत ज्यादा बैठता है।

iii. यह प्रतिकूल मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, जैसे- बाढ़, वर्षा, भू-स्खलन आदि।

5.8 रेल परिवहन

रेलगाड़ी द्वारा सामान और यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने-ले जाने को रेल परिवहन कहते हैं। हमारे देश की भू-परिवहन व्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण स्थान है और लंबी दूरी तक सामान और यात्रियों को लाने-ले जाने की यह सबसे विश्वसनीय व्यवस्था है।

रेल परिवहन

लंबी दूरी के अलावा कुछ महानगरों में स्थानीय रेलगाड़ियाँ या मेट्रो रेलगाड़ियाँ यात्रियों को स्थानीय यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध कराती हैं। कुछ पर्वतीय क्षेत्रों को छोड़ कर रेल परिवहन पूरे देश में उपलब्ध है। भारत में दो प्रकार की रेलगाड़ियाँ है। एक यात्री गाड़ियाँ और दूसरी माल गाड़ियाँ। यात्री गाड़ियों से यात्री और कुछ सामान, जबकि मालगाड़ियों से केवल सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाया व ले जाया जाता है। ये गाड़ियाँ रेल इंजनों द्वारा खींची जाती हैं और उनमें भाप, डीजल या विद्युत शक्ति का प्रयोग होता है। आइए, रेल परिवहन के लाभों और सीमाओं पर चर्चा करें।

5.9 रेल परिवहन के लाभ

i. लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सबसे अधिक सुविधाजनक साधन है।
ii. यह सड़क परिवहन की अपेक्षा ज्यादा तेज है।
iii. भारी सामान या ज्यादा मात्रा में सामान को लंबी दूरी तक ले जाने के लिए यह उपयुक्त साधन है।
iv. खराब मौसम, जैसे कि बाढ़, वर्षा, कोहरे आदि का इस पर बहुत कम असर पड़ता है।

5.10 रेल परिवहन की सीमाएँ

i. थोड़ी दूरी तक माल तथा यात्रियों को ले जाने के लिए यह महंगा पड़ता है।
ii. देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में यह उपलब्ध नहीं हैं।
iii. रेल गाड़ियाँ एक निर्धारित समय-सारणी के अनुसार चलती है और इनसे कहीं भी और कभी भी माल को चढ़ाना या उतारना संभव नहीं होता।
iv. दुर्घटना की स्थिति में इससे जान-माल का भारी नुकसान होता है।

5.11 पाइप लाइन परिवहन

आधुनिक समय में पाइप लाइन को विभिन्न उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाता है। घरों और व्यावसायिक क्षेत्रों में पानी पाइप लाइनों के जरिए पहुँचाया जाता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक पाइप लाइनों से पहुँचाई जाती है।

पाइप लाइन परिवहन

सड़क और रेल मार्गों के मुकाबले पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस पहुँचाने का यह अच्छा, सुविधाजनक और किफायती तरीका है। लेकिन इसमें लाने-ले जाने वाली वस्तुओं की मात्रा काफी ज्यादा होनी चाहिए। यातायात के इस साधन की स्थापना और रख-रखाव में अधिक मात्रा में पूंजी विनियोजन की आवश्यकता पड़ती है।

5.12 रोप-वे परिवहन

रोप-वे परिवहन से पहाड़ों पर घाटी के आर-पार या नदी के आर-पार के दो स्थानों को जोड़ा जाता है। पहाड़ी क्षेत्रों में किसी रोप-वे से जुड़ी ट्रालियां लोगों, सामान या विशेष रूप से भवन निर्माण सामग्री या खाद्य पदार्थों आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाती है।

रोप-वे परिवहन

रोप-वे का एक उदाहरण गुजरात में प्रसिद्ध 'उड़न खटोला जगदंबा' है, जो एक समय में 50 से अधिक यात्रियों को ले जाता हैं।

पाठगत प्रश्न 5.2

I. सही उत्तर के सामने सही (√) का निशान लगाइए।

i. परिवहन का अर्थ केवल सामान लाना ले जाना है, लोगों को नहीं।

ii. परिवहन से स्थान बाधा दूर होती है।

iii. पाइप लाइन परिवहन भू-परिवहन का अंग नहीं है।

iv. खराब मौसम का सड़क परिवहन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

v. भारी और बड़े सामान को लाने ले जाने के लिए रेल परिवहन उपयुक्त साधन है।

II. स्तम्भ क के साथ स्तम्भ ख का मिलान कीजिए :

	स्तम्भ 'क'		स्तम्भ 'ख'
i.	ठेला	क)	घाटी में परिवहन के लिए सुविधाजनक
ii.	रोप-वे	ख)	भारी और ज्यादा मात्रा में सामान को लाने के लिए उपयुक्त
iii.	स्लेज	ग)	गैस परिवहन का साधन
iv.	रेलवे	घ)	मनुष्य द्वारा खींचा जाने वाला
v.	पाइप लाइन	ङ)	कुत्तों द्वारा खींचा जाने वाला साधन

5.13 जल परिवहन

जल परिवहन से अभिप्राय है नाव, स्टीमर, लांच, समुद्री जहाज जैसे विभिन्न साधनों की सहायता से जल मार्ग से सामान और यात्रियों को लाना-ले जाना। इन साधानों से सामान और यात्रियों को देश के विभिन्न भागों ओर विदेशों में लाया व ले जाया जाता है। नदियों और नहरों में नावों, लांचों आदि से सामान और यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है। यह सारा परिवहन देश के अंदर होता है। अतः इसे अंतर्देशीय जल परिवहन कहा जाता है। जब समुद्र मार्ग के विभिन्न साधनों के माध्यम से माल व यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाया व ले जाया जाता है तो वह महासागरीय परिवहन कहलाता है। आइए, इस प्रकार के जल परिवहन के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करें।

5.14 अंतर्देशीय जल परिवहन

अंतर्देशीय जल परिवहन में नावों, लांचों, बार्जों, स्टीमरों से नदियों और नहरों के रास्ते सामान और यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाया व ले जाया जाता है। इन नदियों और नहरों को जलमार्ग कहा जाता है। इस परिवहन व्यवस्था का प्रयोग घरेलू व्यापार में भारी सामान ढोने के लिए किया जाता है। हमारे देश में यात्रियों के लिए यह परिवहन व्यवस्था लोकप्रिय नहीं है। अंतर्देशीय जल परिवहन केवल कुछ राज्यों जैसे- पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, असम और त्रिपुरा में प्रचलित है।

5.15 महासागरीय परिवहन

महासागरीय परिवहन से अभिप्राय सागर या महासागर में समुद्री जहाजों से सामान और यात्रियों का परिवहन है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। तटीय इलाकों में इससे यात्रियों और सामान को पहुँचाने के लिए भी इस साधन का प्रयोग किया जाता है। महासागरीय परिवहन का मार्ग निश्चित होता है और इससे दुनिया के लगभग सभी देश जुड़े हैं। सागरीय परिवहन निम्नलिखित दो प्रकार का होता है :

महासागरीय परिवहन

i) **तटीय जहाजरानी :** इस परिवहन व्यवस्था में देश के मुख्य बंदरगाहों के बीच समुद्री जहाज चलते हैं। इससे घरेलू व्यापार में मदद मिलती है और यात्री भी देश के एक भाग से दूसरे भाग में जा पाते हैं।

ii) **समुद्र-पारीय जहाजरानी :** इस परिवहन में समुद्री जहाज उन देशों के बीच चलते हैं, जिनके बीच सागर या महासागर है। इससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलता है। भारी मशीनों और बड़ी मात्रा में सामान को एक देश से दूसरे देश तक ले जाने के लिए यह सबसे किफायती साधन है। समुद्र-पारीय परिवहन के लिए मार्ग निश्चित है और विश्व के लगभग सभी देश इससे जुड़े हैं। समुद्र-पारीय परिवहन में सामान और यात्रियों को लाने व ले जाने के लिए कई प्रकार के समुद्री जहाज चलते हैं। ये निम्नलिखित प्रकार के हैं :

समुद्र-पारीय जहाजरानी

क) **लाइनर :** लाइनर एक ऐसा यात्री या मालवाहक जहाज होता है, जिसका संबंध एक नियमित जहाजरानी कंपनी से होता है। ये जहाज निश्चित मार्गों पर, निर्धारित समय सारणी के अनुसार चलते हैं।

ख) **ट्रेम्प :** यह ऐसा मालवाहक जहाज होता है, जो तभी चलता है जब इसे ढोने के लिए माल मिलता है। इसका न तो कोई निश्चित मार्ग होता है और न ही निर्धारित समय-सारणी।

5.16 जल परिवहन के लाभ

जल परिवहन के निम्नलिखित लाभ है :

i. यह अधिक मात्रा में या भारी सामान ढोने के लिए अपेक्षाकृत किफायती साधन है।
ii. दुर्घटनाओं की दृष्टि से यह बड़ा सुरक्षित परिवहन है।
iii. इसके मार्ग को बनाने या उनके रख-रखाव में बहुत कम खर्च आता है, क्योंकि सभी कुछ प्राकृतिक रूप से सुलभ है।
iv. इससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलता है।

5.17 जल परिवहन की सीमाएँ

जल परिवहन की निम्नलिखित सीमाएँ हैं :

i. नदियों और नहरों की गहराई और उनमें समुद्री जहाज चलाने की अनुरूपता अलग-अलग होती है। अत: विभिन्न प्रकार के परिवहन पोत चलाने में कठिनाई आती है।

ii. यह बहुत मंद गति से चलने वाला साधन है, इसलिए जल्दी खराब होने वाले सामान को ढोने के लिए उपयुक्त नहीं है।

iii. खराब मौसम का इस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

iv. जल परिवहन में जहाजों की खरीद और रख-रखाव पर भारी खर्च आता है।

पाठगत प्रश्न 5.3

I. निम्नलिखित में से सही और गलत कथन छाँटिए :

i. अंतर्देशीय जल परिवहन में सागर और महासागर द्वारा परिवहन सम्मिलित है।

ii. जल परिवहन, परिवहन का अत्यधिक तीव्र साधन है।

iii. जल परिवहन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सुविधा होती है।

iv. समुद्र-पारीय परिवहन व्यवस्था में, समुद्री जहाज पड़ोसी देशों में माल ले जाते हैं।

v. जल परिवहन पर खराब मौसम का असर नहीं पड़ता।

II. निम्नलिखित वाक्यों में खाली स्थानों में उपयुक्त शब्द भरिए :

i. _____ मालवाहक समुद्री जहाज होता है, जो नियमित रूप से नहीं चलता।

ii. अंतर्देशीय जल परिवहन में _____ व्यापार के लिए माल लाया-ले जाया जाता है।

iii. _____ समुद्री जहाज का निश्चित मार्ग होता है और यह निर्धारित समय के अनुसार चलता है।

iv. महासागरीय परिवहन से _____ व्यापार को बढ़ावा मिलता है।

v. जल परिवहन में समुद्री जहाज खरीदने में _____ पूँजी निवेश करना पड़ता है।

5.18 वायु परिवहन

यह परिवहन का सबसे तेज माध्यम है। इसके अंतर्गत यात्री विमानों, मालवाहक विमानों और हेलीकॉप्टरों से सामान और यात्रियों को वायुमार्ग से ले जाया जाता है। इसमें यात्रियों के अलावा हल्का और कीमती सामान ढोया जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में, जहाँ परिवहन के अन्य साधनों का इस्तेमाल संभव नहीं होता, वायु परिवहन बहुत महत्वपूर्ण और सुविधाजनक साधन है। भूकंप और बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सामान और यात्रियों को लाने-ले जाने

के लिए अधिकतर इसी साधन का प्रयोग होता है। युद्ध के दौरान भी वायु परिवहन की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

वायु परिवहन का एक दृश्य

वायु परिवहन को घरेलू वायु परिवहन और अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन में बाँटा जा सकता है। घरेलू वायु परिवहन में देश के अंदर भ्रमण करने की सुविधा रहती है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन के अंतर्गत विभिन्न देशों के बीच सामान और यात्रियों को लाया जाता है। वायु परिवहन के निश्चित मार्ग होते हैं जो लगभग विश्व के सभी देशों को आपस में जोड़ते हैं।

5.19 वायु परिवहन के लाभ

इसके निम्नलिखित लाभ हैं :

i. यह परिवहन का सबसे तेज माध्यम है।
ii. जिन स्थानों पर अन्य माध्यमों से नहीं पहुँचा जा सकता, वहाँ यह सामान और यात्रियों को पहुँचाने का सबसे ज्यादा उपयोगी साधन है।
iii. प्राकृतिक आपदाओं के दौरान यह परिवहन का सबसे सुविधाजनक साधन है।
iv. राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

5.20 वायु परिवहन की सीमाएँ

इसकी निम्नलिखित सीमाएँ हैं :

i. यह परिवहन का अपेक्षाकृत अधिक महंगा साधन है।
ii. भारी सामान या बड़ी मात्रा में सामान ले जाने के लिए यह उपयुक्त नहीं है।
iii. खराब मौसम का इस पर प्रतिकूल असर पड़ता है।
iv. छोटी दूरी की यात्रा के लिए यह उपयुक्त नहीं है।
v. दुर्घटना के समय माल, संपत्ति और जान का भारी नुकसान होता है।

पाठगत प्रश्न 5.4

I. निम्नलिखित कथनों में से सही और गलत कथन छाँटिए :

i. वायु परिवहन, परिवहन का सबसे तीव्र माध्यम है।
ii. खराब मौसम का वायु परिवहन पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता।
iii. वायु परिवहन कम दूरी के लिए उपयुक्त नहीं है।
iv. हेलीकॉप्टर अधिकतर अंतर्राष्ट्रीय विमानन के लिए प्रयोग किया जाता है।
v. राष्ट्रीय सुरक्षा में वायु परिवहन का कोई योगदान नहीं है।

II. बहुविकल्पीय प्रश्न

i. पहाड़ी इलाकों में और पहाड़ों पर उपयुक्त परिवहन साधन क्या है?
क) रेल परिवहन ख) सड़क परिवहन
ग) वायु परिवहन घ) जल परिवहन

ii. ट्रांसपोर्ट कम्पनी द्वारा परिवहन की सुविधा क्या कहलाती है?
क) एक औद्योगिक इकाई ख) व्यापार
ग) व्यापार की सहायक इकाईयां घ) ऊपर लिखित में से कोई नहीं

iii. देश में भारी सामान को अधिक मात्रा में लाने-ले जाने के लिए निम्न में कौन सा साधन उपयुक्त है :
क) रेल परिवहन ख) सड़क परिवहन
ग) वायु परिवहन घ) जल परिवहन

iv. जहाज जिनका निश्चित मार्ग होता है और वे नियमित रूप से सेवा देते है, क्या कहलाते है?
क) कार्गो ख) चार्टर पार्टी ग) लाइनर घ) डोमेस्टिक

v. निम्नलिखित में से कौन सा जल परिवहन लाभप्रद नही है :
क) भारी और बड़े सामान को अपेक्षाकृत कम मूल्य पर ले जाना
ख) मौसम का दुष्प्रभाव
ग) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए
घ) दुर्घटनाओं से बचाव के लिए परिवहन का सुरक्षित साधन

आपने क्या सीखा

- परिवहन से अभिप्राय उस गतिविधि से है, जिसके अंतर्गत विभिन्न साधनों से लोगों और सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना संभव हो पाता है।
- परिवहन का महत्व इस प्रकार है :
  i. निर्माताओं और उत्पादकों को कच्चा माल उपलब्ध कराता है;
  ii. लोगों को तैयार सामान उपलब्ध कराता है;
  iii. जीवन स्तर को बेहतर बनाता है;
  iv. आपातकाल और प्राकृतिक आपदाओं में सहायक सिद्ध होता है;
  v. रोजगार के अवसरों का सृजन करता है;
  vi. मजदूरों को विभिन्न स्थानों तक पहुँचाने में सहायता करता है;
  vii. देशों को नज़दीक लाने में सहायक है।
- परिवहन के विभिन्न साधन इस प्रकार हैं :

साधन	भूतल परिवहन	जल परिवहन	वायु परिवहन
प्रकार	सड़क परिवहन रेल परिवहन पाइप लाइन परिवहन रोप-वे परिवहन	अंतर्देशीय जल परिवहन महासागरीय जल परिवहन	घरेलू वायु परिवहन अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन

- सामान और यात्रियों को लाने ले जाने के लिए भू-तल परिवहन के विभिन्न साधन हैं :

सड़क परिवहन			रेल परिवहन	पाइप लाइन परिवहन	रोप-वे परिवहन
मनुष्य द्वारा खींचे जाने वाले	पशुओं द्वारा खींचे जाने वाले	मोटर से चलने वाले			
मनुष्य का सिर या पीठ मनुष्य द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियाँ - ठेले - साइकिल - रिक्शा	पशु, पशुओं द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियां स्लेज	मोटर साइकिल स्कूटर ऑटो-रिक्शा कार वैन बस ट्रक टेम्पो	यात्री गाड़ी माल गाड़ी	पाइप	रस्सी

- सामान और यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए जल परिवहन के विभिन्न साधन है :

साधन	अंतर्देशीय जल परिवहन	महासागरीय परिवहन
प्रकार	नावें, स्टीमर, बार्ज, लांच	समुद्री जहाज, टैंकर, पनडुब्बी

- सामान और यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए वायु परिवहन के विभिनन साधन है :

साधन	घरेलू वायु परिवहन	अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन
प्रकार	विमान, हेलीकॉप्टर	विमान

पाठांत प्रश्न

1. परिवहन से क्या अभिप्राय है? व्यवसाय में इसके महत्व का वर्णन कीजिए।
2. परिवहन के साधनों से क्या अभिप्राय है? विभिन्न प्रकार के साधनों का उल्लेख कीजिए।
3. भू-तल परिवहन के विभिन्न साधनों का उल्लेख कीजिए।
4. रेल परिवहन के लाभ और सीमाएँ बताइए।
5. सड़क परिवहन के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
6. सड़क परिवहन के लाभों और सीमाओं की चर्चा कीजिए।
7. जल परिवहन के विभिन्न प्रकारों का वर्गीकरण कीजिए।
8. जल परिवहन के लाभों और सीमाओं का विवेचन कीजिए।
9. अंतर्देर्शीय और महासागरीय जल परिवहन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
10. लाइनर और ट्रैम्प जहाजों में अंतर बताइए।
11. वायु परिवहन के लाभों और सीमाओं को बताइए।
12. जब आप उचित ट्रांसपोर्ट को चुनते है तो आप किन-किन बातों का ध्यान रखेंगे?
13. पाइप लाइन किन-किन मुख्य उत्पादकों को ले जाने के लिए अधिक उपयुक्त है तथा क्यों?

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

5.1 (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) सही

5.2 **I.** (i) गलत (ii) सही (iii) गलत (iv) गलत (v) सही

II. (i) घ (ii) क (iii) ङ (iv) ख (v) ग

5.3 **I.** (i) गलत (ii) गलत (iii) सही (iv) सही (v) गलत

II. (i) ट्रैम्प (ii) घरेलू (iii) लाइनर (iv) विदेश (v) भारी

5.4 **I.** (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत

II. (i) ख (ii) ग (iii) क (iv) ग (v) ख

आपके लिए क्रियाकलाप

- अपने घर के आसपास परिवहन के साधनों पर निगाह डालिए और उनके लाभ और सीमाएँ लिखिए।
- अपने नजदीक के बाजार में जाइए और वहाँ दुकानदारों से पूछिए कि वे सामान लाने के लिए किस प्रकार के परिवहन का इस्तेमाल करते हैं और क्यों?
- आपके परिवार में समय-समय पर परिवहन के कौन से साधन प्रयोग में लाए जाते हैं? उनकी सूची तैयार कीजिए।